चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.9.22		

एबिक के संचालन मंडल की बैठक में वीसी बोले

एचएयू ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में तकनीकी और आर्थिक मदद करेगा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हें स्टार्टअप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

वीसी ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबिक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्टअप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हें पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हें स्टार्टअप के लिए उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबिक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाधी ने कहा कि एबिक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने भी विचार रखे। बैठक में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दै॰ भूमि	3.9.22	10	4-8

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक

हकृवि ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा: काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए

हिसार। बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए ऋण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा।

3 साल में 104 स्टार्टअप्स को दिया प्रशिक्षण: कुलपति ने कहा कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

एबीक के कार्यों का सराहा

नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाधी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नाबार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकृवि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हे खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है। बैठक में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-9-22		

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा : काम्बोज

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक में बोले कुलपति

हिसार, 2 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए हुण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाधी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नाबार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकृवि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषतोर पर सराहा। इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हें खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है। बैठक में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	3.9.22	8	7-8

ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा हकृवि

हिसार (निस) : एबी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्व-उद्यमियों की पहचान करके उन्हें स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्ट-अप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	03.09.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा : कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज

हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए ट्रेनिंग उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर श्री देवासी पाधी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नाबार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकृवि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषतोर पर सराहा। इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हे खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है।

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक में बोले कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	02.09.2022	--	--

हकृवि ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप को देगा बढ़ावा : कुलपति

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्ष्म बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए ऋण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटी को 3.15 करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाधी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नाबार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकृवि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषतोर पर सराहा।

इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हे खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है।

बैठक में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर श्रीमती दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	02.09.2022	--	--

ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा एचएयू : कुलपति कम्बोज

02 Sep 2022 19:26:10

अब तक 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिली

हिसार, 02 सितम्बर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वउद्यमियों की पहचान करके उन्हें स्टार्टअप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शुक्रवार को एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके उन्हें पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हें स्टार्ट-अप के लिए ऋण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा।

उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकृवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देबाशी पाधी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नाबार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकृवि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेष तौर पर सराहा।

इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्टिफिकेशन व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हें खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है। बैठक में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर श्रीमती दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	02.09.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 2 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रूख करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्त्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकत्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण।